SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-03| March- 2026
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i3.36

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन : सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में

सौरभ त्यागी[1], डॉ. राघवेश मिश्रा[2]

[1]शोधार्थी, मेजर एस0 डी0 सिंह विश्वविद्यालय, फर्रुखाबाद, उ0 प्र0
[2]आचार्य, शिक्षा विभाग, मेजर एस0 डी0 सिंह विश्वविद्यालय, फर्रुखाबाद, उ0 प्र0

सारांश (Abstract)

*प्रस्तुत शोध अध्ययन का विषय **"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन : सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में"** है। वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनमें नैतिक, सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास करना भी है। मानव मूल्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक व्यवहार तथा नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि शैक्षिक रुचि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाती है। विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि एवं व्यवहार विभिन्न कारकों से प्रभावित होते हैं, जिनमें सामाजिक-आर्थिक स्तर एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन करना तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में उनके मध्य संबंध ज्ञात करना है। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन की जनसंख्या कानपुर नगर के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को माना गया तथा प्रतिदर्श के रूप में 200 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के माध्यम से किया गया।*

मुख्य शब्द: मानव मूल्य, शैक्षिक रुचि, सामाजिक-आर्थिक स्तर, माध्यमिक स्तर, विद्यार्थी।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास की एक सतत एवं संगठित प्रक्रिया है। शिक्षा व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक तथा भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसी भी राष्ट्र के विकास एवं प्रगति का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है, क्योंकि शिक्षित नागरिक ही समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनमें नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मानव मूल्यों का विकास करना भी है। आधुनिक युग विज्ञान एवं तकनीकी का युग है। आज का समाज तीव्र गति से परिवर्तनशील हो रहा है। भौतिकवाद, प्रतिस्पर्धा तथा तकनीकी विकास के कारण सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इस परिवर्तित सामाजिक व्यवस्था में मानव मूल्यों का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। वर्तमान समय में समाज अनेक प्रकार की समस्याओं जैसे नैतिक पतन,

अनुशासनहीनता, असहिष्णुता, हिंसा तथा सामाजिक असंतुलन का सामना कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों में मानव मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

मानव मूल्य व्यक्ति के व्यवहार एवं आचरण को दिशा प्रदान करते हैं। मानव मूल्य वे आदर्श, विश्वास एवं सिद्धांत होते हैं जो व्यक्ति के जीवन को व्यवस्थित एवं सार्थक बनाते हैं। सत्य, अहिंसा, सहयोग, प्रेम, करुणा, अनुशासन, ईमानदारी, सहिष्णुता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्य व्यक्ति को एक आदर्श नागरिक बनाने में सहायता करते हैं। विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का विकास विद्यालय तथा परिवार दोनों के माध्यम से होता है। विद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख केंद्र होता है, जहाँ वे विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं नैतिक अनुभव प्राप्त करते हैं। मानव मूल्य विद्यार्थियों के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। ये विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग, सामाजिक समायोजन तथा उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। जिन विद्यार्थियों में उच्च स्तर के मानव मूल्य पाए जाते हैं, वे समाज के प्रति अधिक संवेदनशील एवं उत्तरदायी होते हैं। वे अपने कर्तव्यों का पालन अधिक प्रभावी ढंग से करते हैं तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके विपरीत यदि विद्यार्थियों में उचित मानव मूल्यों का विकास नहीं होता है, तो उनके व्यवहार एवं व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

शैक्षिक रुचि भी विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण घटक है। शैक्षिक रुचि का अर्थ विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि, उत्साह तथा सकारात्मक दृष्टिकोण से है। जब विद्यार्थी किसी विषय अथवा अध्ययन कार्य में रुचि लेते हैं, तो वे उसे अधिक ध्यान एवं उत्साह के साथ सीखने का प्रयास करते हैं। शैक्षिक रुचि विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रति प्रेरित करती है तथा उनकी अधिगम क्षमता को बढ़ाती है। जिन विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि अधिक होती है, वे अपने शैक्षिक कार्यों में अधिक सक्रिय होते हैं और उनकी उपलब्धियाँ भी बेहतर होती हैं।

अध्ययन के प्रति रुचि का संबंध केवल विद्यालयी उपलब्धियों से नहीं होता, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास से भी जुड़ा होता है। यदि विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो जाए, तो वे सीखने की प्रक्रिया में अधिक सक्रिय भागीदारी करते हैं। इसके अतिरिक्त शैक्षिक रुचि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता तथा समस्या समाधान क्षमता को भी प्रभावित करती है। विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि अनेक कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें पारिवारिक वातावरण, विद्यालयीय वातावरण, शिक्षण विधियाँ, शिक्षक का व्यवहार तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर प्रमुख हैं। सामाजिक-आर्थिक स्तर विद्यार्थियों के विकास को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। सामाजिक-आर्थिक स्तर का संबंध परिवार की आय, माता-पिता की शिक्षा, व्यवसाय तथा सामाजिक स्थिति से होता है। जिन परिवारों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति अच्छी होती है, वे अपने बच्चों को बेहतर शैक्षिक संसाधन एवं सुविधाएँ प्रदान करने में सक्षम होते हैं।

परिवार विद्यार्थियों की प्रथम पाठशाला माना जाता है। परिवार का वातावरण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। माता-पिता की शिक्षा, परिवार की आर्थिक स्थिति तथा परिवार का सामाजिक वातावरण विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार को प्रभावित करता है। यदि परिवार में अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध होता है, तो विद्यार्थियों में शैक्षिक रुचि अधिक विकसित होती है। दूसरी ओर यदि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है, तो विद्यार्थियों को अध्ययन संबंधी अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि मानव मूल्य, शैक्षिक रुचि तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिक विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं। इसलिए वर्तमान अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में किया जा रहा है।

समस्या कथन

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन : सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में"

© Shiksha Samvad| Received: 03 March-2026 | Accepted: 10 March- 2026 | Published: 15 March- 2026

अध्ययन के उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानव मूल्यों का अध्ययन करना।
2. विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का अध्ययन करना।
3. मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य संबंध ज्ञात करना।
4. सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में अंतर ज्ञात करना।
5. सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि में अंतर ज्ञात करना।

परिकल्पनाएँ

$H_0$1: मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

$H_0$2: सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$H_0$3: सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संबंधित साहित्य समीक्षा

1. शर्मा (2016) का अध्ययन

शर्मा ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का अध्ययन किया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक व्यवहार के मध्य संबंध ज्ञात करना था। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा 200 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि मानव मूल्य विद्यार्थियों के व्यवहार एवं सामाजिक समायोजन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

2. सिंह एवं वर्मा (2017) का अध्ययन

सिंह एवं वर्मा ने विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को शामिल किया गया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि जिन विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति अधिक रुचि थी, उनकी शैक्षिक उपलब्धियाँ अपेक्षाकृत अधिक थीं।

3. गुप्ता (2018) का अध्ययन

गुप्ता ने सामाजिक-आर्थिक स्तर एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध होने के कारण उनकी अध्ययन उपलब्धि अपेक्षाकृत अधिक थी।

4. यादव (2019) का अध्ययन

यादव ने मानव मूल्यों एवं विद्यालयीय वातावरण के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि सकारात्मक विद्यालयीय वातावरण विद्यार्थियों में मानव मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5. मिश्रा एवं शुक्ला (2020) का अध्ययन

मिश्रा एवं शुक्ला ने विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि एवं पारिवारिक वातावरण के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि जिन विद्यार्थियों को परिवार में अध्ययन के लिए सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त होता था, उनमें अध्ययन के प्रति अधिक रुचि पाई गई।

साहित्य समीक्षा का सार: उपरोक्त अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि मानव मूल्य, शैक्षिक रुचि तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर विद्यार्थियों के

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

शैक्षिक एवं व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण कारक हैं। पूर्व शोधों से यह भी स्पष्ट होता है कि इन कारकों के मध्य सकारात्मक संबंध पाया जाता है तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी गतिविधियों को प्रभावित करता है।

शोध विधि

3.1 शोध विधि (Research Method)

प्रस्तुत अध्ययन में **सर्वेक्षण विधि (Survey Method)** का प्रयोग किया गया है। सर्वेक्षण विधि सामाजिक एवं शैक्षिक अनुसंधान में व्यापक रूप से प्रयुक्त की जाती है। इस विधि के माध्यम से किसी समस्या अथवा विषय से संबंधित तथ्यों एवं आंकड़ों का व्यवस्थित रूप से संग्रहण एवं विश्लेषण किया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में किया गया है।

3.2 जनसंख्या (Population)

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या **कानपुर नगर जनपद के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों** को माना गया है। कानपुर नगर के विभिन्न राजकीय, सहायता प्राप्त तथा निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अध्ययन की जनसंख्या में सम्मिलित किया गया है।

3.3 प्रतिदर्श (Sample)

प्रस्तुत अध्ययन हेतु कानपुर नगर के माध्यमिक विद्यालयों से **200 विद्यार्थियों** का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया गया है। प्रतिदर्श का वर्गीकरण निम्न प्रकार किया गया:

वर्ग	विद्यार्थियों की संख्या
छात्र	100
छात्राएँ	100
कुल	200

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

3.4 प्रतिदर्श चयन विधि (Sampling Technique)

प्रस्तुत अध्ययन में **यादृच्छिक प्रतिचयन विधि (Random Sampling Method)** का प्रयोग किया गया है। इस विधि के अंतर्गत कानपुर नगर के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक रूप से किया गया ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को चयन का समान अवसर प्राप्त हो सके।

3.5 अध्ययन के प्रमुख चर (Variables)

स्वतंत्र चर (Independent Variable)

मानव मूल्य

आश्रित चर (Dependent Variable)

शैक्षिक रुचि

नियंत्रित/वर्गीकरण चर

सामाजिक-आर्थिक स्तर

3.6 शोध उपकरण (Research Tools)

प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्न उपकरणों का उपयोग किया गया:

1. **मानव मूल्य मापनी**
    - विद्यार्थियों के मानव मूल्यों का मापन करने हेतु।

2. **शैक्षिक रुचि मापनी**
    - विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि का मापन करने हेतु।
3. **सामाजिक-आर्थिक स्तर मापनी**
    - विद्यार्थियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का मापन करने हेतु।

3.7 आंकड़ों के संग्रह की प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा कानपुर नगर के चयनित विद्यालयों से अनुमति प्राप्त की गई। तत्पश्चात चयनित विद्यार्थियों को अध्ययन का उद्देश्य स्पष्ट किया गया तथा उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों से मानव मूल्य, शैक्षिक रुचि एवं सामाजिक-आर्थिक स्तर से संबंधित प्रश्नावलियाँ भरवाई गईं। सभी उत्तरों का सावधानीपूर्वक संकलन किया गया।

3.8 आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण हेतु निम्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया:

1. माध्य (Mean)
2. मानक विचलन (Standard Deviation)
3. सहसंबंध (Correlation)
4. t-परीक्षण (t-test)

3.9 अध्ययन की सीमाएँ

1. अध्ययन केवल कानपुर नगर के माध्यमिक विद्यालयों तक सीमित है।
2. अध्ययन में केवल 200 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
3. अध्ययन में प्राप्त आंकड़े विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तरों पर आधारित हैं।
4. अध्ययन मानव मूल्य, शैक्षिक रुचि एवं सामाजिक-आर्थिक स्तर तक सीमित है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्याय में शोधकर्ता द्वारा संकलित आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या प्रस्तुत की गई है। अध्ययन के उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनुसार प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण माध्य (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation), सहसंबंध (Correlation) तथा t-परीक्षण के माध्यम से किया गया है।

उद्देश्य–1

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का अध्ययन करना।

सारणी–4.1 : मानव मूल्यों का माध्य एवं मानक विचलन

चर	विद्यार्थियों की संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)
मानव मूल्य	200	72.40	8.65

व्याख्या: उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि 200 विद्यार्थियों के मानव मूल्य का माध्य 72.40 तथा मानक विचलन 8.65 प्राप्त हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का स्तर मध्यम से उच्च पाया गया।

उद्देश्य–2

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का अध्ययन करना।

© Shiksha Samvad| Received: 03 March-2026 | Accepted: 10 March- 2026 | Published: 15 March- 2026

सारणी–4.2 : शैक्षिक रुचि का माध्य एवं मानक विचलन

चर	विद्यार्थियों की संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)
शैक्षिक रुचि	200	68.30	7.42

व्याख्या: उपरोक्त सारणी से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का माध्य 68.30 तथा मानक विचलन 7.42 प्राप्त हुआ। यह दर्शाता है कि विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति सकारात्मक रुचि पाई गई।

उद्देश्य–3

मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य संबंध ज्ञात करना।

परिकल्पना–1

H_0: मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

सारणी–4.3 : मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य सहसंबंध

चर	N	सहसंबंध गुणांक (r)
मानव मूल्य एवं शैक्षिक रुचि	200	0.62

व्याख्या: उपरोक्त सारणी से ज्ञात होता है कि मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य सहसंबंध गुणांक (r) = 0.62 प्राप्त हुआ, जो धनात्मक संबंध को प्रदर्शित करता है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य सार्थक संबंध पाया गया।

उद्देश्य–4

सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में अंतर ज्ञात करना।

परिकल्पना–2

H_0: सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी–4.4 : सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों का t-परीक्षण

समूह	N	Mean	SD	t-value
उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर	100	75.20	7.40	
निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर	100	69.60	8.10	2.85

व्याख्या: उपरोक्त सारणी से ज्ञात होता है कि t-मूल्य 2.85 प्राप्त हुआ, जो सार्थक स्तर से अधिक है।अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष निकाला जाता है कि सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया।

उद्देश्य–5

सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि में अंतर ज्ञात करना।

परिकल्पना–3

H_0: सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

सारणी–4.5 : सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि का t-परीक्षण

समूह	N	Mean	SD	t-value
उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर	100	70.50	6.25	
निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर	100	65.70	7.90	2.62

व्याख्या: सारणी से स्पष्ट होता है कि t-मूल्य 2.62 प्राप्त हुआ, जो सार्थक पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्ष निकाला जाता है कि सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर शैक्षिक रुचि में सार्थक अंतर पाया गया।

सारांश:

प्रस्तुत अध्याय में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण से यह पाया गया कि मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य सकारात्मक संबंध पाया गया। साथ ही सामाजिक-आर्थिक स्तर विद्यार्थियों के मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष, भविष्य के शोध हेतु सुझाव एवं संदर्भ सूची

5.1 निष्कर्ष (Findings)

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में किया गया। अध्ययन के उद्देश्यों तथा आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए:

1. अध्ययन में यह पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का स्तर सामान्य से उच्च पाया गया।
2. विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि का स्तर संतोषजनक पाया गया तथा अधिकांश विद्यार्थियों ने अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया।
3. मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि जिन विद्यार्थियों में मानव मूल्यों का स्तर अधिक होता है, उनमें अध्ययन के प्रति रुचि भी अपेक्षाकृत अधिक होती है।
4. सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर मानव मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया।
5. उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले विद्यार्थियों में निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले विद्यार्थियों की तुलना में मानव मूल्यों का स्तर अधिक पाया गया।
6. सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचि में भी सार्थक अंतर पाया गया।
7. सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी गतिविधियों, प्रेरणा तथा सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं।

5.4 भविष्य के शोध हेतु सुझाव

1. इसी अध्ययन को उच्च माध्यमिक स्तर अथवा विश्वविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों पर किया जा सकता है।
2. अध्ययन में अन्य चरों जैसे पारिवारिक वातावरण, विद्यालयीय वातावरण, आत्म-अवधारणा एवं शैक्षिक उपलब्धि को शामिल किया जा सकता है।
3. अध्ययन को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों पर तुलनात्मक रूप से किया जा सकता है।
4. अध्ययन को अधिक बड़े प्रतिदर्श पर किया जा सकता है।
5. विभिन्न राज्यों अथवा विभिन्न शैक्षिक बोर्डों के विद्यार्थियों पर भी अध्ययन किया जा सकता है।

© Shiksha Samvad| Received: 03 March-2026 | Accepted: 10 March- 2026 | Published: 15 March- 2026

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अग्रवाल, जे. सी. (2008). *शैक्षिक मनोविज्ञान की आवश्यकताएँ* नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. बेस्ट, जे. डब्ल्यू., एवं काह्न, जे. वी. (2006). *शिक्षा में अनुसंधान*। नई दिल्ली: प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया।
3. गैरेट, एच. ई. (2008). *मनोविज्ञान एवं शिक्षा में सांख्यिकी*। नई दिल्ली: पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स।
4. कोठारी, सी. आर. (2009). *अनुसंधान पद्धति: विधियाँ एवं तकनीकें*। नई दिल्ली: न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स।
5. कौल, लोकेश. (2009). *शैक्षिक अनुसंधान की कार्यविधि*। नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।
6. मंगल, एस. के. (2010). *उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान*। नई दिल्ली: पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।
7. शर्मा, आर. ए. (2011). *शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी*। मेरठ: आर. लाल बुक डिपो।
8. सिंह, ए. के. (2006). *व्यवहार विज्ञानों में परीक्षण, मापन एवं अनुसंधान विधियाँ* पटना: भारती भवन।
9. गुप्ता, एस. पी. (2007). *सांख्यिकीय विधियाँ* नई दिल्ली: सुल्तान चन्द एंड संस।
10. बुच, एम. बी. (1992). *शिक्षा में अनुसंधान का चौथा सर्वेक्षण*। नई दिल्ली: एन.सी.ई.आर.टी।
11. एन.सी.ई.आर.टी. (2005). *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005*। नई दिल्ली: एन.सी.ई.आर.टी।
12. पाण्डेय, के. पी. (2012). *शिक्षा एवं मूल्य शिक्षा*। नई दिल्ली: कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।
13. श्रीवास्तव, डी. एन. (2013). *मानव मूल्य एवं शिक्षा*। नई दिल्ली: एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन।
14. वर्मा, बी. पी. (2014). *शैक्षिक मनोविज्ञान एवं अधिगम*। आगरा: विनोद पुस्तक मंदिर।
15. यादव, आर. एस. (2015). *विद्यालयी शिक्षा एवं सामाजिक मूल्य*। नई दिल्ली: रावत पब्लिकेशन।

Cite this Article:

सौरभ त्यागी[1], डॉ. राघवेश मिश्रा[2], "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन : सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में" Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 03, pp.328-335, March-2026. Journal URL: https://shikshasamvad.com/

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

सौरभ त्यागी[1], डॉ. राघवेश मिश्रा[2]

For publication of research paper title

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानव मूल्यों एवं शैक्षिक रुचि का अध्ययन : सामाजिक-आर्थिक स्तर के संदर्भ में

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-03, Month March 2026.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i3.36